Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 12-05-2006

Participants : Singh Shri Lakshman

Title: Need to safeguard the interest of Indian farmers in the "Free Trade Regime".

श्री लक्ष्मण सिंह : सभापति महोदय, विश्व व्यापार संधि पर जब हमने हस्ताक्षर किये हैं, उससे कुछ लाभ भी हैं और कुछ नुकसान भी हैं। सारे देश में इस बात का चिंतन हुआ है। संसद में हुआ है, मीडिया में हुआ है और चुनाव में कई बार इसकी चर्चा हुई है कि जो हमारा कृषि उत्पादन है, उसका संरक्षण हम कैसे करें ? लेकिन मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आज जो फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किये जा रहे हैं, उनमें इस बात का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। 991 जो आइटम्स नैगेटिव लिस्ट में डाले गये थे, वे इसलिए डाले गये थे कि इनके आयात से हमारी कृषि, हमारे छोटे उद्योगों को नुकसान होगा। लेकिन आज सरकार 991 नैगेटिव आइट्म्स की सूची को कम करने की सोच रही है। क्यों कम करना चाहते हैं क्योंकि अन्तर्राट्रीय सेमीनार में यह दिखाया जाए कि भारत एक सम्पन्न देश है। हम सम्पन्न बनना चाहते हैं लेकिन एक ढकोसला हम खड़ा नहीं करना चाहते हैं। आज हमारा किसान आत्महत्या कर रहा है, हमें उस बात की तरफ भी ध्यान देना पड़ेगा। मैं आपकी अनुमति से चार लाइन पढ़ना चाहूंगा। एक पूर्व अधिकारी ने क्या कहा है, वही मैं पढ़ना चाहता हूं क्योंकि आज सबसे अगर कोई जो सबसे ज्यादा हमारे रास्ते में बाधा आ रही है तो वह अफसरशाही है। जो खुद एक अफसर हैं, वे क्या कहते हैं। उन्होंने कहा है कि :

> "Notwithstanding our claims about economic liberalisation, procedural simplification and debureaucratisation, India ranks poorly in the index presented in the Asian Development Outlook 2006 on 'Doing Business'. China is at seven, Pakistan is 60 and Bangladesh is 65. India is ranked 116. "

जब हमारे देश में हम लोग पर्याप्त वातावरण नहीं बना पा रहे हैं कि हम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर सकें। स्वयं कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा सोनिया गांधी जी ि वरोध कर रही है। मैं चाहूंगा कि प्रधान मंत्री जी जो स्वयं एक अधिकारी हैं, वह पहले अपने अधिकारियों का जो ढ़ांचा है, उसको सुधारें। चंद अधिकारियों के हाथ में हम हमारे भारत के किसानों का भविय नहीं दे सकते। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि जो फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हम साइन करें तो किसानों के हितों तथा छोटे-छोटे उद्योगों के हितों का हम संरक्षण करें।